डाक पंजी. संख्या UA/DO/DDN/151/2019-2021

हरिद्वार, 8 मार्च, 2020 'विक्रम संवत 2076'

स्वदेश स्वाभिमान

R.N.I. No.: UTTHIN/2013/51354

www.swadeshswabhiman.com
www.epaper.swadeshswabhiman.com
www.facebook.com/swadeshswabhiman

मासिक

वर्ष 07 अंक 07 पृष्ठ 04+04

₹ 3/-

मेरी सबसे बड़ी ताकत मेरे विचार हैं। मेरे विचारों ने मुझे पापों में गिरने से बचाया, मेरे विचारों ने ही मुझे संघर्षों व प्रतिकूलताओं से लड़ने की हिम्मत दी।

जहाँ व्यक्ति एवं राष्ट्र-निर्माण अखण्ड यज्ञ चल रहा हो, वहाँ अपने जीवन की आहुति दे दो। नये अनुष्ठान का आरम्भ सर्वत्र उचित नहीं होगा।

गुरुवाणी

ओ३म्

1. यद्यपि भगवान् ने प्रत्येक इंसान को अपरिमित ज्ञान संवेदना, सामर्थ्य, ऐश्वर्य व अनन्त प्रतिभा दी हुई है और इन्हीं से व्यक्ति जीवन में महान् सफलता समृद्धि, सम्मान एवं विजय पाता है, अतः सब-कुछ पाकर भी अकिंचन, निरभिमानी एवं सदा विनम्र रहना क्योंकि सब कुछ भगवान् का है, भगवान् का है और भगवान के लिए ही है।

2. जीवन का मूलमन्त्र है जीवन अनादि एवं अनन्त सत्य है। बीजरूप में प्रकृति या परमात्मा ने हमारे भीतर शुभ अशुभ दोनों दिए हैं चुनाव हमारे हाथों में है। जीवन का प्रयोजन या पुरुषार्थ इसी में है कि हम शुभ का चयन करके उसे बढ़ाए एवं शिखरारोहण पाएं तथा अशुभ का एकदम के लिए भी आदर न करें उसको डिएक्टिवेट, डिस्ओनर, डिलीट या ब्लॉक कर दें। प्रमाद, अनुत्साहकता एवं आत्मग्लानि से स्वयं को बचाएं। अपनी मति, भक्ति, कृति को दिव्य बनाकर दिव्य प्रकृति में जीते हुए प्रगति के मार्ग पर बढ़ें। यही भारत की मूल संस्कृति है यही हमारा मूलस्वभाव है।

3. भारत स्वभाव से एक आध्यात्मिक राष्ट्र है। मजहबी राष्ट्र की प्रकृति एवं संस्कृति हमारी नहीं है। अज्ञान, अभाव, असमानता, अन्याय एवं अनेक सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक एवं मजहबी कारणों से इस महान् राष्ट्र की आत्मा अर्थात् आध्यात्मिक राष्ट्रवाद एवं मानवतावाद को जो चोट पहुँची है। हम पूर्ण निष्ठा एवं पूर्ण पुरुषार्थ से या शब्दान्तर से योगनिष्ठा कर्मनिष्ठा, स्वधर्मनिष्ठा, राष्ट्रनिष्ठा, आत्मनिष्ठा वेदनिष्ठा एवं ब्रह्मनिष्ठा से स्वयं को तथा समष्टि को सुन्दर व दिव्य बनाएं। गुरुसत्ता, ऋषिसत्ता या भगवान के यंत्र बनकर अपने दिव्य उत्तरदायित्व का प्रामाणिकता से निर्वहन करें।

4. जीवन के सैंकड़ों हजारों पहलु हैं। इन अनन्त पहलुओं में एक एक पल हमारे चारों ओर घटने वाले घटनाक्रम एवं उनके परिणामों का परिणाम होता है, हमारी जीवन की सफलता विफलता, अस्तित्व के बड़े तथ्य सत्य एवं इतिहास इसके साक्षी हैं। अतः आपकी शिक्षा, उपाधि, संवेदनशीलता, सामर्थ्य एवं विभिन्न कुशलताएं योग्यताएं आदि सबकी महिमा उपयोगिता एवं आवश्यकता है। परन्तु इन सब में सबसे बड़ा तत्त्व है ईश संयोग एवं पूर्ण समर्पण। यदि ये दो तत्त्व हैं तो आप राजनीति, अध्यात्म, शिक्षा, कला, अभिनय, अनुसंधान, मीडिया, खेलादि जीवन के किसी भी क्षेत्र में विश्व कीर्तिमान बना सकते हो।

5. आत्मिक जीवन की सफलता सुख, शान्ति, समृद्धि या समाधान का सबसे बड़ा साधन, साधना या माध्यम है अपना स्व-निजता या अपने भीतर की आत्मा की दिव्यता या पूर्णता में प्रतिष्ठित होना। इस स्वरूप में या आत्म स्वरूप में रहकर विधाता द्वारा निर्धारित स्वधर्म या स्वकर्म का पूर्ण विवेक, पूर्ण निष्ठा व पूर्ण पुरुषार्थ से निर्वहन यही है जीवन का प्रयोजन लक्ष्य, ध्येय या गन्तव्य... ||

स्वामी रामदेव

आयुर्वेद अमृत

आयुर्वेद में वर्णित अजीर्ण का स्वरूप, कारण व भेद–

चरकसंहिता (मात्राशितीय अध्याय) में भी कहा है कि भोजन मात्रा में ही करना चाहिए। भोजन की मात्रा व्यक्ति के अग्निबल के अनुसार होती है। जितना भोजन यथासमय सुखपूर्वक पच जाए, उतनी ही आहारमात्रा समझनी चाहिए। यह प्रत्येक व्यक्ति की सामर्थ्य के अनुसार भिन्न-भिन्न होती है। अतः सभी के लिए कोई एक समान मात्रा निर्धारित नहीं की जा सकती है। उचित मात्रा में सेवित गुरु भोजन भी पचने में लघु हो जाता है तथा इसके विपरीत लघु भोजन भी यदि अधिक मात्रा में लिया जाए तो वह पचने में गुरु (भारी) हो जाता है। इसलिए प्रत्येक द्रव्य मात्रा की अपेक्षा रखता है। इसीलिए सुश्रुतसंहिता में भी कहा है- 'सुखं जीर्यति मात्रावत्' (सु.सं.सू.-४६.४६८) अर्थात् मात्रा के अनुसार किया हुआ भोजन सुखपूर्वक जीर्ण हो जाता है तथा धातुसाम्य करता है।

उष्णं हि भुक्तं स्वदते श्लेष्माणं च जयत्यपि।।
वातानुलोम्यं कुरुते क्षिप्रमेव च जीर्यते।
अन्नभिलाषं लघुतामग्निदीप्तिं च देहिनाम्।।

उष्ण भोजन- उष्ण भोजन खाने में स्वादिष्ठ लगता है, श्लेष्मा (कफ) को शान्त करता है, वायु का अनुलोमन करता है, शीघ्र ही जीर्ण हो जाता है, अन्न में रुचि उत्पन्न करता है, शरीर में लघुता (स्फूर्ति) लाता है तथा अग्नि को प्रदीप्त करता है। मुनिवर सुश्रुत भी कहते हैं कि- 'स्निग्धोष्णं बलवह्निदम्' (सु.सं.सू.-४६.४६७) अर्थात् स्निग्ध व उष्ण भोजन बलप्रद व जठराग्निदीपन होता है।

स्निग्धं प्रीणयते देहमूर्जयत्पति पौरुषम्।
करोति धातूपचयं बलवर्णौ दधाति च।।

स्निग्ध भोजन- स्निग्ध भोजन शरीर को संतृप्त करता है, पौरुष को बढ़ाता है, धातुओं की वृद्धि करता है, बल बढ़ाता है तथा शरीर का वर्ण (रंग) निखारता है।

सुमृष्टमपि नाश्नीयाद्विरुद्धं यद्धि देहिनः।
प्राणानस्याऽऽशु वा हन्यात्तुल्यं मधुघृतं यथा।।
अविरुद्धान्नभुक् स्वास्थ्यमायुर्वर्णं बलं सुखम्।
प्राप्नोति, विपरीताशी तेषामेव विपर्ययम्।।

अविरुद्ध भोजन- अच्छी प्रकार स्वादिष्ट बनाया हुआ भी विरुद्ध भोजन नहीं करना चाहिए। विरुद्ध भोजन शीघ्र ही प्राणियों के प्राणों को नष्ट कर देता है, जिस प्रकार समान मात्रा में मधु और घृत का सेवन। अविरुद्ध अन्न का सेवन करने वाला व्यक्ति स्वास्थ्य, आयु, वर्ण, बल तथा सुख को प्राप्त करता है। इससे विपरीत विरुद्ध अन्न का सेवन करने वाला व्यक्ति उपर्युक्त गुणों से विपरीत स्थिति प्राप्त करता है, अर्थात् उसके आयु, वर्ण, बल तथा सुख का ह्रास हो जाता है।

आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि का मूल ध्येय समाज सेवा से राष्ट्रसेवा :पूज्य आचार्य श्री

पतंजलि भ्रमण: पतंजलि ने प्राचीन ऋषि-महर्षियों के ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाया : फ्रांसिसी राजदूत

» इमैनुएल लेनिन ने पतंजलि का भ्रमण किया, अंतर्राष्ट्रीय बुक फेयर में पूज्य आचार्य श्री को किया आमंत्रित

हरिद्वार। भारत में फ्रांस के माननीय राजदूत श्री इमैनुअल लेनिन का पतंजलि आगमन हुआ। पतंजलि पहुँचने पर संस्था के महामंत्री श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने फ्रांसिसी राजदूत को शॉल भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर फ्रांसिसी राजदूत ने कहा कि मेरा पतंजलि तथा तीर्थ नगरी हरिद्वार के लिए विशेष आकर्षण है। उन्होंने कहा कि मुझे भारतीय संस्कृति तथा हिन्दू परम्परा के प्रति बहुत लगाव है। मैं काशी भी गया था तथा अब हरिद्वार व पतंजलि भ्रमण के लिए आया हूँ क्योंकि पतंजलि ही एक मात्र ऐसी संस्था है जिसने प्राचीन ऋषि-महर्षियों के ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने का काम किया है। उसी विज्ञान को देखने की मेरी प्रबल इच्छा थी, जिस कारण मैं यहाँ आया हूँ।

उन्होंने कहा कि मैं यह देखकर बहुत प्रसन्न हूँ कि मैं जैसा महसूस करता था, उससे कहीं बढ़कर मैंने पतंजलि की गतिविधियों को पाया। यह एक दिव्य अनुभूति है कि पूज्य स्वामी के मार्गदर्शन में संन्यासियों की एक श्रृंखला तैयार की जा रही है। पूज्य स्वामी जी महाराज व पूज्य आचार्य श्री जहाँ संस्कृति रक्षा के लिए स्वयं प्रयासरत हैं, वहीं सैकड़ों संन्यासियों/ब्रह्मचारियों के माध्यम से जो कार्य आगे बढ़ रहा है उसको देखकर मैं बहुत प्रसन्न हूँ। उन्होंने कहा कि फ्रांस में हाल ही में व्यापक स्तर पर एक अंतर्राष्ट्रीय बुक फेयर संचालित होने जा रहा है जिसके लिए मैं विशेष रूप से पूज्य आचार्य श्री को आमंत्रित करने आया हूँ। मेरा निवेदन है कि पूज्य आचार्य श्री इस बुक फेयर में आएँ और अपने उद्बोधन से हमें शुभकामनाएँ दें तथा साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमें योग-आयुर्वेद के साथ जोड़ें। उन्होंने योग-आयुर्वेद के संदर्भ में फ्रांस सरकार के साथ एक एम.ओ.यू. करने की इच्छा भी प्रकट की।

फ्रांसिसी राजदूत ने पतंजलि अनुसंधान संस्थान, वैदिक गुरुकुलम् तथा पतंजलि योगपीठ का भ्रमण कर संस्था द्वारा संचालित समाजसेवी कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने पतंजलि अनुसंधान संस्थान स्थित हर्बल गार्डन में एक पौध भी रोपित किया। ज्ञात हो कि राजदूत महोदय भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा रखने के साथ-साथ एक अच्छे फोटोग्राफर भी हैं। वे पतंजलि का भ्रमण कर अभिभूत हुए तथा स्वयं को पतंजलि परिसर में फोटो खींचने से नहीं रोक पाए।

इस अवसर पर श्री रोमेन ओटल, श्री अनिल मिश्रा तथा रुड़की की एस.डी.एम. श्रीमती नमामी बंसल भी उपस्थित रहीं।

विमोचन : पतंजलि में ग्रीन रिवोल्यूशन-2022 'एन एग्री विजन' का हुआ शुभारम्भ ।

मृदा परीक्षण हेतु पतंजलि द्वारा विकसित 'धरती का डॉक्टर' अत्यंत उपयोगी : केंद्रीय कृषि मंत्री मोबाइल एप 'अन्नदाता' व जैविक कृषि आधारित पुस्तकों का किया गया विमोचन

हरिद्वार। किसानों की दशा सुधारने, उनकी आय दुगनी करने तथा देश व विश्व को शुद्ध, सात्विक व रसायनमुक्त खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पतंजलि योगपीठ ने किसानों के कई महत्वकांक्षी योजनाओं के साथ अनेक जैविक कृषि प्रशिक्षण शिविर संचालित किए हैं। इसी क्रम में कृषि संबंधी सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान तथा योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु पतंजलि योगपीठ में ग्रीन रिवोल्यूशन-२०२२ 'एन एग्री विजन' का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, मननीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री के कर-कमलों से अन्नदाता मोबाइल-एप भी लोकार्पित किया गया।

कार्यक्रम संबंधी जानकारी देते हुए श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि पतंजलि द्वारा संचालित वर्चुअल सॉल्यूशन सिस्टम के अंतर्गत 'साइल टू सैललाइट' के साथ 'खेत से उपभोक्ता' तक सम्पूर्ण टेऊसेबिलिटी विश्लेषण तथा सभी प्रकार की कृषि संबंधित योजनाओं को एक स्थान से प्रत्यक्ष रूप से किसानों तक पहुँचाया जाएगा। इस परियोजना के अन्तर्गत किसानों की फसलों की उत्पादकता बढ़ाने और बेहतर विपणन के लिए सम्पूर्ण समाधान प्रदान किया

शेष पेज नं. i पर....

संस्थान समाचार

योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी के विस्तार हेतु श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा पुदुचेरी उपराज्यपाल महामहिम श्रीमती किरन बेदी जी के साथ ।

सिडनी, आस्ट्रेलिया में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज योग एवं ध्यान शिविर ।

फ्रांस के राज्यदूत श्री इमैनुअन जी को पूज्य आचार्य श्री द्वारा पतंजलि द्वारा चल रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों का अवलोकन।

पतंजलि में ग्रीन रिवोल्यूशन-2022 'एन एग्री विजन' के शुभारम्भ में पू. आचार्यश्री द्वारा श्री त्रिवेंद्रसिंह रावत जी (उत्तराखंड, मुख्यमंत्री) का स्वागत ।

किसानों के स्वावलम्बन हेतु पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट तथा ICAR & IIMR हैदराबाद के मध्य M.O.U.

नेपाल में पतंजलि योगपीठ नेपाल द्वारा कार्यकर्त्ता बैठक।

योग शिविर: अपराध मुक्त भारत का निर्माण योग द्वारा संभव

होसूर (तमिलनाडू)। योग व ध्यान के माध्यम से अपराध रहित भारत का निर्माण किया जा सकता है। होसूर तहसील में निःशुल्क चार दिवसीय योग व ध्यान शिविर को श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने स्वरूप दिया। इस दौरान हजारों की संख्या में जुटे जिले कृष्णागिरी शिविरार्थियों को श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने प्राणायाम, सूर्यनमस्कार, चित्त मुद्रा महामुद्र आदि द्वारा स्वास्थ्य संबंधी अन्य योग कलाओं को सिखाया, तन-मन, आरोग्य संबन्धित कई बिन्दुओं पर ज्ञान प्रदान किया। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने मीडिया को कहा कि शरीर के अंगों को योग द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है। नियमित योग से शरीर और मन में संतुलन स्फूर्ति का सृजन होता है। योग द्वारा बीमारियों से मुक्ति व मन को शांति प्रदान होता है। नियमित योग करने से साधकगण शांत मन द्वारा अपराध रहित भारत का निर्माण होगा। प्रतिदिन के योग के फलस्वरूप शरीर में मजबूती व व्याधिरहित आरोग्य निश्चित है।

भाई पारस जी, भाई गिरिश जी व अन्य पतंजलि योग के सदस्य भाई द्राविड मुन्नेट्र कयगम जी (DMK) के MLA श्री वेंकटस्वामी जी अन्य शिविर में शामिल हुये।

स्वदेशी : दुबई में अमाया ग्रुप के साथ पतंजलि ने खोले मेगा स्टोर का शुभारम्भ

हरिद्वार। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-३ पर पतंजलि मेगा स्टोर खोलने के बाद अब दुबई में भी अमाया ग्रुप के साथ मिलकर अपने स्टोर्स खोल दिए हैं। यूरोप, ब्रिटेन और अमेरिका में वहां की कम्पनियों के साथ मिलकर स्टोर्स खोलने की तैयारी है। भारत में इस समय योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज के करीब पांच हजार स्टोर और चिकित्सालय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज यह बताया कि देश के कई हवाई अड्डों पर पतंजलि स्टोर खोले जाएंगे। भविष्य में राँची, मुम्बई और चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर स्टोर खोले जाएंगे। देश में अब तक ३०० मेगा स्टोर्स खुल चुके हैं। साधारण स्टोर्स की संख्या १३०० को पार कर गई है। पूज्य आचार्य श्री ने बताया कि करीब ३३०० चिकित्सालयों एवं चिकित्सा केन्द्रों पर देशवासियों को निःशुल्क चिकित्सा देने का कार्य जारी है।

पूज्य आचार्य श्री ने बताया कि नेपाल में इस समय चिकित्सा सेवा केन्द्र एवं पतंजलि स्टोर की संख्या ८० को पार कर गई है। यूरोप के कई देशों से भी फ्रेंचआइजी देने की तैयारी की जा रही है।

-साभारः अमर उजाला*

पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट तथा ICAR & IIMR हैदराबाद के मध्य M.O.U.

पतंजलि देश के किसान की दशा सुधारने के लिए संकल्पित : पूज्य आचार्य श्री

हरिद्वार। पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट तथा ICAR & IIMR (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स) हैदराबाद के मध्य बड़े मिशन के साथ एक महत्वपूर्ण एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। इस एम.ओ.यू. के माध्यम से गाँव, खेत-खलिहान तथा दूर-दराज के किसानों को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर परम श्रद्धेय आचार्य श्री ने कहा कि अब पतंजलि एक सेंटर ऑफ एक्सिलेंस का निर्माण करने जा रहा है जिससे न केवल देश को कुपोषण से मुक्ति मिलेगी अपितु देश के किसान की आय में भी वृद्धि होगी। इससे देश में समृद्धि आएगी तथा देश के नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि देश अभी भी मिलेट (बाजरा, जौ, ज्वार इत्यादि) के उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ है किन्तु इनका निर्यात अभी तक सुचारू रूप से नहीं हो पाता है। हमारा प्रयास है कि देश में उत्पादित मिलेट का हम सही मूल्यांकन कर उच्च गुणवत्ता युक्त पदार्थों को विकसित कर सकें। उत्पादन के साथ ही हमारा प्रयास मिलेट्स के निर्यात को दुरुस्त करने का रहेगा। जिससे किसानों को उनकी उत्पादित फसल का सही मूल्य मिल पाएगा।

■ भारत मिलेट (बाजरा, जौ, ज्वार इत्यादि) के उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ, किन्तु इनका निर्यात सुचारू नहीं MOU के माध्यम से देश को मिलेगी कुपोषण से मुक्ति तथा किसान होगा समृद्ध।

पूज्य आचार्य श्री ने बताया कि पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट देश के किसान की दशा सुधारने के लिए संकल्पित है तथा इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट जैविक कृषि के लिए किसानों को प्रेरित करने के साथ समय-समय पर जैविक कृषि का प्रशिक्षण भी देता है। अच्छी खेती के लिए मिट्टी की जाँच होनी नितान्त आवश्यक है। इसके लिए पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 'धरती का डॉक्टर' किट को विकसित किया है जिससे मिट्टी में पोषक तत्वों की सही मात्र का मूल्यांकन हो पाता है। मिट्टी की जाँच ठीक से की जाएगी तो किसान को पता होगा कि उसकी मिट्टी में किन पौषक तत्वों की कमी है तथा उसे किन-किन उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। पतंजलि द्वारा संचालित वर्चुअल सॉल्यूशन सिस्टम के अंतर्गत 'सोइल टू सैटलाइट' के साथ 'खेत से उपभोक्ता' तक सम्पूर्ण टरेसेबिलिटी विश्लेषण तथा सभी प्रकार की कृषि संबंधित योजनाओं को एक स्थान से प्रत्यक्ष रूप से किसानों तक पहुँचाने का प्रयास है। बैठक में ICAR&IIMR के डॉयरेक्टर डॉ. विलास ए. तोनापी तथा मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बी. दयाकर राव शामिल रहे। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में पतंजलि के प्रयासों की सराहना की।

पतंजलि में ग्रीन रिवोल्यूशन-2022 'एन एग्री विजन' ......

शेष पेज नं. 1 का...

जाएगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि ने इस कार्य को चुनौती के रूप में लिया तथा काफी अनुसंधान के बाद एक सशक्त मॉडल बनाया। हमारी दृष्टि को देखते हुए सरकार ने हमें पायलेट प्रोजेक्ट की स्वीकृति दी जिसके अन्तर्गत तीन जनपदों जिनमें से दो कृषि के लिए प्रतिकूल माने जाने वाले जिले बुंदेलखण्ड का हमीरपुर व विदर्भ नागपुर तथा पतंजलि योगपीठ की कर्मभूमि हरिद्वार जनपद में पतंजलि द्वारा कृषि को उन्नत बनाने का कार्य किया जाएगा। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि पतंजलि ने किसानों को जैविक कृषि का १०० घण्टे का प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र के साथ दिया। सरकार ने भी जैविक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए पर पतंजलि का काम इससे आगे शुरू हुआ जहाँ किसानों को उन्नत बीज की उपलब्धता से लेकर कम्पोस्ट व उर्वरक उपलब्ध कराना तथा विपणन जैसी समस्याओं का समाधान शामिल हैं। पूज्य आचार्य श्री जी ने बताया पतंजलि द्वारा अनुसंधित 'धरती का डॉक्टर' मृदा परीक्षण हेतु सर्वाधिक सफल किट है। इसकी सहायता से किसान को उसकी मिट्टी की गुणवत्ता तथा उसमें पौषक तत्वों की सटीक जानकारी मिलेगी। वहीं अन्नदाता-एप के माध्यम से उसके गाँव की मैपिंग, खेत की जीयो-फैंसिंग, किसान की जमीन की माप, उसके द्वारा बोई गई फसल, उसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस व अन्य पौषक तत्वों की उपलब्धता तथा उसकी फसल की सभी जानकारी का डाटा मिल सकेगा। इससे किसी भी भूमि का तात्कालिक एवं सही मूल्यांकन किया जा सकेगा। इसमें हार्टिकल्चर, एग्रीकल्चर तथा एनिमल हस्बेंड्री की सभी जानकारी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि अन्नदाता-एप कृषि में नवीन क्रांति का सूत्रपात करेगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र सिंह तोमर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि योग व स्वदेशी क्रांति के बाद अब कृषि में पतंजलि की भागीदारी प्रशंसा के योग्य है। जैसे मनुष्य को ठीक करने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता होती है, वैसे ही धरती व मिट्टी को स्वस्थ रखने के लिए भी डॉक्टर की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि के लिए मिट्टी की जांच अति आवश्यकता है। यदि मिट्टी की जाँच ठीक से की जाएगी तो किसान को पता होगा कि उसकी मिट्टी में किन पौषक तत्वों की कमी है तथा उसे किन-किन उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। इसके लिए पतंजलि की 'धरती का डॉक्टर' मृदा परीक्षण किट अत्यंत उपयोगी है। साथ ही पतंजलि द्वारा लोकार्पित मोबाइल-एप 'अन्नदाता' कृषकों की उन्नति में महती भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि एक साथ था जब कृषि में उत्पादन की समस्या थी लेकिन वर्तमान में उनका रख-रखाव व विपणन एक बड़ी समस्या है। माननीय मंत्री महोदय ने पतंजलि द्वारा संचालित पाइलेट प्रोजेक्ट की सफलता हेतु शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पतंजलि के प्रयासों से आज स्वदेशी उत्पादों के अनेक विकल्प मौजूद हैं। पतंजलि की इन महान् उपलब्धियों के पीछे पूज्य आचार्य श्री एक बैक-बोन की तरह पूज्य स्वामी जी महाराज के साथ खड़े हैं, इनका समर्पण अतुलनीय है। किसी कार्य को नये सिरे से प्रारम्भ करना अलग बात है किन्तु किसी कार्य के विकृत रूप को आकृति प्रदान करना कठिन चुनौति है। पतंजलि ने इन चुनौतियों का सामना करते हुए रसायनों से विषाक्त हो चुकी विकृत कृषि को आकृति प्रदान कर सफलता के नये आयाम स्थापित किए हैं। इस अवसर पर जैविक कृषि में सहायक पुस्तिकाओं- समूह कृषक पुस्तिका, जैविक कृषि, केस स्टडी, विभिन्न राज्यों की कृषि प्रोफाइल एवं मृदा परीक्षण आदि का विमोचन किया गया। साथ ही पतंजलि योगपीठ द्वारा विकसित जैविक दिव्य उन्नत बीज का भी विमोचन किया गया।

पतंजलि योगपीठ संस्थान के महत्वपूर्ण ई-मेल

संवाद विभाग	sampark.samvad@bharatswabhimantrust.org
बायोरिसर्च इंस्टीट्यूट	info@patanjalibio.com
भारत स्वाभिमान में दान हेतु	bstfinance@divyayoga.com
पतंजलि योगपीठ में दान देने हेतु	donation@divyayoga.com
स्वदेश स्वाभिमान समाचार पत्र	swadeshswabhiman@bharatswabhimantrust.org

पूज्य आचार्य श्री द्वारा युवाओं के लिए सफलता के सूत्र

- केवल शरीर बल, केवल बुद्धि बल, केलव निष्ठा बल, केवल धन बल या केवल सम्मान आदि के पीछे युवा पागल होकर न दौड़ें अपितु शरीर को पूर्ण बलिष्ठ, पूर्ण स्वस्थ बनाकर अपने शरीर, इन्द्रियों, मन, विचार, भावनाओं एवं ऊर्जा पर नियंत्रण रखते हुए सही दिशा में अपने सामर्थ्य का उपयोग करें।
- एक क्षण के लिए अशुभ का, विकारों, दोषों, दुर्बलताओं, आलस्य, प्रमाद, आत्मग्लानि, निराशा, नकारात्मकता, क्लेशों, का स्वागत नहीं करना।

विजय, कामयाबी, सफलता या जीवन में बड़ी उपलब्धि- ये प्रत्येक युवा की सबसे बड़ी प्राथमिकता या मांग होती है और इसी के इर्द-गिर्द उसके जीवन का पूरा ताना-बाना वो बुनता है। इसी संदर्भ में कुछ बड़ें बिन्दुओं को क्रमशः प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं-

१. माता-पिता, परिजन एवं गुरुजन इस प्रकार से बच्चों की परवरिश करें कि बच्चों, विद्यार्थियों या युवाओं में सुख, सफलता या विजय पाने की एक संतुलित, समग्र, स्थाई, न्यायपूर्ण व अहिंसक दृष्टि व कृति विकसित हो। केवल शरीर बल, केवल बुद्धि बल, केवल निष्ठा बल, केवल धन बल या केवल धन बल या केवल सम्मान आदि के पीछे युवा पागल होकर न दौड़ें अपितु शरीर को पूर्ण बलिष्ठ, पूर्ण स्वस्थ बनाकर अपने शरीर, इन्द्रियों, मन, विचार, भावनाओं एवं ऊर्जा पर नियन्त्रण रखते हुए सही दिशा में अपने सामर्थ्य का उपयोग करें। किसी भी एक या एक से अधिक विषयों में ज्ञान व कुशलता की पराकाष्ठा अर्जित करें। ८ से १८ घंटे पुरुषार्थ की पराकाष्ठा में जीने का अभ्यास करें। लक्ष्य को प्राप्त किए बिना बीच में कार्य को नहीं छोड़ें क्योंकि अधिकांश लोग तो बड़ा कार्य करने का प्रथम तो साहस ही नहीं जुटा पाते, कुछ लोग प्रारम्भ तो कर देते है लेकिन बड़े कार्यों में चैलेंज, प्रोब्लम्स या विघ्न-बाधाएँ भी बड़ी ही होती हैं। उनका सामना करके हर चुनौति, समस्या, संकट, विघ्न- बाधा या परिस्थिति को कैसे सफलता या अवसर में बदलना है, यह विवेक, ज्ञान, कला, कुशलता, साहस, पराक्रम, शौर्य व धर्य युवाओं में नहीं होने से उनके सपने टूट जाते हैं तथा वे बड़े कार्य करने से वंचित रह जाते हैं।

२. अपने सामर्थ्य को समृद्धि में बदलने की कला व कुशलता। शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, कर्त्तृव्य, नेतृत्व, वक्तृत्व, कवित्व, लेखन, अनुसंधान, अभिनय, संगीत, कला, वाद्य, नृत्य, अनुवाद, फोटोग्राफी, विडियोग्राफी, फैशन, संवाद, साइंस आदि विविध सामर्थ्य, मेडिकल इंजिनियरिंग मैनेजमेंट, पोलिटिक्स, आतिथ्य, ज्यूडिश्यली, मीडिया आदि के विशेष ज्ञान, विज्ञान व तकनीकि को वैल्थ, ब्रांड, उद्योग, संस्था, संगठन, पार्टी, व्यापार, सर्विस या चैरिटी आदि में कैसे रूपान्तरित (कन्वर्ट) करके समृद्धि, सफलता, उपलब्धि या विजय का नया इतिहास या कीर्तिमान बनाने की प्रतिभा होनी चाहिए। अपने वैयक्तिक सामर्थ्य के साथ-साथ अपने कुल, वंश, परम्परा से प्राप्त सामर्थ्य, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, आध्यात्मिक व राजनैतिक सामर्थ्य, सम्बन्धों, विश्वास, ऐश्वर्य या पुण्य को समृद्धि में बदलने की कुशलता होनी चाहिए। मिट्टी पानी, जल, जंगल, जमीन, जड़ी-बूटी आदि जो भी अपने पास साधन हैं, उसे भी समृद्धि में बदलने की कला, कुशलता या योग्यता हो तो सफलता का नया कीर्तिमान बना सकते हैं। मिट्टी से मूर्ति पात्र व खिलौने आदि, जल से भी जलीय खेती व पेय जलादि, जमीन पर वैज्ञानिक कृषि व डेयरी आदि के उद्योग लगाकर हम लीक से हटकर कुछ नया कर सकते हैं और लोग कर रहे हैं। नये बाजार, आधार व व्यापार बन रहे हैं।

३. प्रकृति या प्रारब्ध से वरदान के रूप में प्राप्त सहज सामर्थ्य को, सही आयु, सही समय पर पहचानकर उसको पूरा विकसित करके, किसी भी क्षेत्र, स्थान, देश में या सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षणिक आदि क्षेत्र में अथवा कृषि, पशुपालन, मधुमक्खी पालन व चिकित्सा आदि में जहाँ नई संभावना आकाश, अवकाश या अवसर हो तो उसे खोजना उसका पूर्वापर मूल्यांकन करके एक व्यवस्थित व्यवसायिक योजना बनाकर उसे व्यवहारिक रूप से क्रियान्वित करना।

४. योग, कर्मयोग, परस्पर सहयोग, उद्योग (उद्यमिता) सही लोगों की खोज करके उनको बड़े उद्देश्य के लिए साथ देने के लिए सहमत करना व निरन्तर उनका हाथ साथ में बने रहना, सामूहिक ईमानदारी कर्त्तव्यनिष्ठा व ध्येय निष्ठा के साथ बड़े कार्य की प्रतिष्ठा से ही बड़ी सफलता मिलती है।

५. या तो खुद किसी भी क्षेत्र में कोई बड़ा कार्य खड़ा करें या किसी बड़ी संस्था, संगठन, समाज या विराट् महायज्ञ में आहुति देकर जोब, बिजनेस, पोलिटिक्स या चैरिटी करके भी बड़े कार्य, बड़ी सेवा में बड़ा योगदान, बड़ी भूमिका या बड़ी सफलता अथवा उपलब्धि जीवन में हासिल कर सकते हैं।

६. संसार में बहुत बड़े कार्य, सेवा या ध्येय की सिद्धि के लिए कुछ मूलभूत सिद्धान्त हैं, उनका पूरी प्रामाणिकता से पालन करना जैसे-विधि व निषेध की या मर्यादा की एक लक्ष्मण रेखा खींचकर रखना और कभी भी उसका अतिक्रमण नहीं करना। भगवान् के विधान व देश के विधान, संविधान या कानून को एक बार भी नहीं तोड़ना। एक क्षण के लिए अशुभ का, विकारों, दोषों, दुर्बलताओं, आलस्य, प्रसाद, आत्मग्लानि, निराशा, नकारात्मकता, क्लेशों, का स्वागत नहीं करना। स्थूल दोष एक बार भी न हो तथा सूक्ष्म दोष मन, विचार, भाव या संस्कार के स्तर पर हो भी जाएं तो उनकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए २४ घंटा प्रतिपल जागरूकता रहना।

७. दृष्टि व कृति में समग्रता, संतुलन, दूरदर्शिता, पारदर्शिता, न्याय, समानता, एकता, अहिंसा, सत्य एवं सात्त्विकता रखना। अज्ञान, अहंकार विलासिता एवं लालच आदि में पड़कर आत्मघाती विनाश को आमंत्रण नहीं देना। प्राथमिकताओं के निर्धारण, बड़े निर्णयों एवं आत्म मूल्यांकन में चूक नहीं करना। वज्र से भी ज्यादा कठोर तथा फूल से भी अधिक कोमल रहकर महान् पराक्रमी व अति विनम्र होकर निरन्तर सुधार, संशोधन, परिवर्तन, आंदोलन, सृजन व विस्तार करते रहना। संकट, चुनौति, संघर्ष एवं अत्यंत प्रतिकूल अवस्था में भी धर्य नहीं खोना। आहार, विचार, वाणी, व्यवहार, स्वभाव व आचरण के प्रति पूर्ण जागरूक रहना। सदा उच्च चेतना में जीना। अपने सामने सदा महापुरुषों का प्रेरक आदर्श रखना। अपने मूल स्वरूप में रहकर अपने स्वकर्म, स्वधर्म, मानवधर्म, राष्ट्रधर्म व विश्वधर्म को प्रामाणिकता से निभाना।

प्रतियोगिता: योगासन प्रतियोगिता में कोरबा ने मारी बाजी

कोरबा (छत्तीसगढ़)। राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ योग सोसायटी के तत्वावधान में सेक्टर ६ अग्रसेन भवन भिलाई में आयोजित हुई। जिसमें पूरे राज्य के सभी जिलों से लगभग ४०० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें प्राथमिकता व माध्यमिक शाला मसान के बंदना, नेहा, प्रीति, सुरभी, सोनिया, जॉनसन ने जूनियर ग्रुप में प्रथम स्थान प्राप्त कर अप्रैल माह में दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की योगासन प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। जिसमें ग्राम मसान सहित पूरे कोरबा जिले में खुशी का माहौल है। इस प्रतियोगिता में कोरबा जिले के प्राथमिक व माध्यमिक शाला मसान के योग प्रशिक्षक विनोद एवं संध्या राज के कुशल मार्गदर्शन में उनकी पूरी टीम जिस प्रकार से एडवांस योगासन का प्रदर्शन किया, इतना बेहतरीन और गजब का योगासन से बनी पिरामिड कोरबा जिले को योग के क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाती है। इस प्रतियोगिता में बच्चो को प्रधानपाठक विनीता विक्लिफ, जया, मनोज, गोविन्द, दुर्गेश एवं पतंजलि परिवार का विशेष सहयोग व मार्गदर्शन मिला।

-साभारः नव भारत*

शोक संदेश

पतंजलि एवं भारत स्वाभिमान परिवार के

श्री संजय जी (पूर्व राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान, राँची, झारखण्ड) की पूज्य माता जी **स्व. श्रीमती अहिल्या देवी जी** का आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक ०६ फरवरी, २०२०** हो गया है।

श्री नीरज उपाध्याय जी (जिला प्रभारी, भारत स्वाभिमान, डेराबस्ती, मोहाली, हरियाणा) की पूज्य माता जी **स्व. श्रीमती रूकमनी देवी जी** का आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक ०८ फरवरी, २०२०** हो गया है।

बहन मंदिरा विश्वास जी (राज्य कार्यकारिणी सदस्य, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश-पूर्व) के पूज्य पिता जी **स्व. श्री प्रदीप विश्वास जी** का आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक १० फरवरी, २०२०** हो गया है।

श्री शंभू कुमार जी (किसान सेवा समिति, जिला प्रभारी, हजारीबाग, झारखण्ड) की पूज्य माता जी **स्व. श्रीमती विश्वेशवरी देवी जी** आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक १८ फरवरी, २०२०** हो गया है।

बहन श्रीमती सुमित्रा देवी जी (आजीवन सदस्य, पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान, हिसार, हरियाणा) का आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक २२ फरवरी, २०२०** हो गया है।

श्री राघवेन्द्र सिंह भदौरिया जी (आजीवन सदस्य, भारत स्वाभिमान, झांसी, उत्तर प्रदेश) का आकस्मिक स्वर्गवास **दिनांक २७ फरवरी, २०२०** हो गया है।

हम पतंजलि योगपीठ परिवार की ओर से शोक प्रकट करते हैं तथा सम्पूर्ण संगठन की ओर से दिवंगत आत्माओं के लिये सादर श्रद्धांजलि......

योग शिविरः योग में छाए युवा प्रतिभागी......

» पतंजलि में राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया कमाल

हरिद्वार (उत्तराखण्ड)। देवभूमि योग सोसायटी की ओर से युवा भारत और पतंजलि विवि द्वारा कराई जा रही राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता में युवा प्रतिभागियों का दबदबा रहा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन पतंजलि विवि के प्रतिकुलपति डॉ. महावीर अग्रवाल और पतंजलि गुरुकुलम् के स्वामी तीर्थदेव जी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रतियोगिता में जिला स्तर से एकल जूनियर, सीनियर वर्ग और महिला व पुरुषों के ग्रुप में प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन किया गया। राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी, तृतीय चरण में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिताओं के एकल पुरुष वर्ग में नैनीताल के भावेश, महिला जूनियर वर्ग में उधमसिंह नगर की तनीशका एकल महिला सीनियर वर्ग में ऋषिकेश की शिवानी, पुरुष वर्ग में हरिद्वार के आकाश, महिला जूनियर समूह वर्ग में ऋषिकेश, पुरुष ग्रुप जूनियर वर्ग में हरिद्वार, महिला ग्रुप सीनियर समूह वर्ग में हरिद्वार और ग्रुप सीनियर वर्ग में देहरादून की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। योगासन प्रतियोगिता प्रशिक्षक डॉ.कपिल शास्त्री को देखरेख में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि डॉ. महावीर अग्रवाल, प्रति कुलपति, स्वामी तीर्थदेव और स्वामी मित्रदेव ने प्रतिभागियों को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. निधीश, गुरुकुल कांगड़ी विवि के डॉ. उधमसिंह, वैदिक गुरुकुलम् से आचार्य ऋषिपाल, रेखा, दिपांशी, प्रताप सिंह जी आदि मौजूद रहे। -साभारः अमर उजाला

- जूनियर वर्ग में नैनीताल की पूजा पांड प्रथम।
- राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के विजेता अतिथियों के साथ।

योग शिविर : सम्पूर्ण स्वास्थ्य के मूल में है योग ...

जौनपुर (उत्तर प्रदेश)। विशेषरपुर स्थित पर पैलेस में चल रहे पतंजलि ध्यान योग शिविर में साधकों को योग के मर्म की जानकारी दी गई। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से आई साध्वी देवव्रता व साध्वी देवसुता ने साधकों को विविध प्रकार के आसन, ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास कराया। साध्वी ने कहा कि स्वास्थ्य को सर्वोत्तम बनाने के लिए योग के क्रियात्मक और सैद्धांतिक पक्षों के नियमित और निरंतर अभ्यासों के अतिरिक्त कोई प्रमाणिकता से परिपूर्ण साधन नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष माया टंडन, पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश नारायण राय, डॉ.राम अवध जी, योग शिविर संयोजक दिलीप जी, अचल हरीमूर्ति, अशोक, ममता, अंजुम, संजय सहित कई लोग मौजूद रहे।

» पर्व, त्योहार एवं जयंतियाँ ।

19 मार्च, पुण्यतिथि- गुरुदत्त विद्यार्थी जी
22 मार्च- विश्व जल दिवस
23 मार्च- शहीद दिवस
23 मार्च, जयन्ती- डॉ. राम मनोहर लोहिया जी
25 मार्च, पुण्यतिथि- गणेश शंकर विद्यार्थी जी
25 मार्च- हिन्दू नव वर्ष 'चैत्र माह नवरात्री'
30 मार्च, पुण्यतिथि- श्यामजी कृष्ण वर्मा जी
1 अप्रैल, जयन्ती- गुरु तेग बहादुर जी
02 अप्रैल- रामनवमी
04 अप्रैल, जयन्ती- माखनलाल चतुर्वेदी जी
07 अप्रैल- विश्व स्वास्थ्य दिवस
08 अप्रैल- हनुमान जयंती
08 अप्रैल- असेम्बली बम काण्ड
08 अप्रैल, पुण्यतिथि- मंगल पाण्डे जी
10 अप्रैल, पुण्यतिथि- मोरारजी देसाई जी

नोट : इस कलेंडर को बनाने में विशेष सावधानी रखी गयी है। फिर भी कृपया अपने सूत्रों से जाँच ले।

इदं राष्ट्राय इदन्न मम | ।। ओ३म् ।। | सर्वे भवन्तु सुखिनः

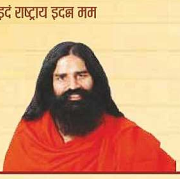

रामनवमी के पावन अवसर पर
युवा आह्वान

आदरणीय गुरुबन्धु/भगिनी,

ओ३म्!

परम पूज्य श्री स्वामी जी महाराज एवं परम श्रद्धेय आचार्य श्री जी की सद्प्रेरणा से एवं पूज्यपाद गुरुदेव जी महाराज के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान हेतु भागवत् सत्ता को प्राणिमात्र में अभिव्यक्त करने के पावन उद्देश्य से 'वैदिक गुरुकुलम्' एवं 'वैदिक कन्या गुरुकुलम्' नामक दो प्रकल्प पतंजलि योगपीठ द्वारा संचालित किये जा रहे हैं। जहां वर्तमान में शतशः (सैकड़ों) ब्रह्मचारी-ब्रह्मचारिणियां, साध्वियां तथा संन्यासीगण आजीवन भारत माता की आराधना एवं व्यष्टि से समष्टि की सेवा करने हेतु संकल्पित हैं। समर्थ गुरुओं के पावन सान्निध्य में निवास कर व्याकरणशास्त्र, दर्शनशास्त्र एवं वेद-वेदांगों की शिक्षा दीक्षा पाकर ज्ञानार्जन से तपश्चर्या से श्रद्धा-सर्मपण, सेवा एवं साधना से स्वयं को दिव्य बना रहे हैं। इन पावन अनुष्ठान के माध्यमसे तथाकथित मैकाले की कुटिल शिक्षा नीति पीढ़ी को वैचारिक रूप से पराधीन बना रही है, उसका समूलोच्छेद कर भारतवर्ष को पुनः विश्वगुरु के सिंहासन पर प्रतिष्ठापित करने हेतु सतत प्रयासरत हैं।

- यदि आप भी :-

1. पूर्णता के पिपासु, सत्यान्वेषी, परमानन्द प्रेमी है।
2. वेदादि शास्त्रों का अध्ययन करके संस्कृत, संस्कार व संस्कृति की पुनर्स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहते हैं।
3. आत्मनिर्माण से राष्ट्र निर्माण के विचार से प्रभावित है।
4. मातृभूमि को अपनी सेवा से तृप्त करने की भावना व प्राचीन गुरु-शिष्य परम्परा में रहकर ऋषियों का अनुगामी बनने की प्रबल उत्कंठा है तो वैदिक गुरुकुलम् में सादर आमंत्रित है।

शिविर दिनांक : 25 मार्च से 3 अप्रैल, 2020 में अवश्य आइए।

- प्रवेश हेतु अर्हताएं :-

1. प्रवेश की अधिकतम आयु 16 वर्ष से 35 वर्ष तक।
2. दसवीं, बारहवीं, स्नातक, परास्नातक उत्तीर्ण भाई-बहन आ सकते है।
3. कृपया अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की तीन-तीन छायाप्रति और 5 पासपोर्ट साईज फोटो तथा आधार कार्ड साथ लायें।

- विशेष :-

1. आपकी चयन प्रक्रिया, साक्षात्कार व लिखित परीक्षा के रूप में होगी। प्रतिभागी भाई-बहन अपने साथ कोई कीमती सामान न लायें, अपने साथ एक ऐसा बैग लायें जिसमें छोटा ताला लगा सकें। अपने सामान की देख-रेख स्वयं करें, संस्था उत्तरदायी नहीं रहेगी।
2. पंजीयन सहयोग राशि - 500 रुपये।
3. पंजीकरण स्थल- श्रद्धालयम्, पतंजलि योगपीठ, द्वितीय चरण, हरिद्वार।

स्वामी परमार्थ देव
व्यवस्थापक
वैदिक गुरुकुलम्।

आचार्या साध्वी देवमयी
व्यवस्थापिका
वैदिक कन्या गुरुकुलम्।

सम्पर्क करें - 09557531234, 08979010504, 8954890269 ई-मेल- info@vedicgurukulam.org

विदेश में योग एवं भारतीय संस्कृति का प्रचार

सिडनी, आस्ट्रेलिया

आस्ट्रेलिया एम्बेसी

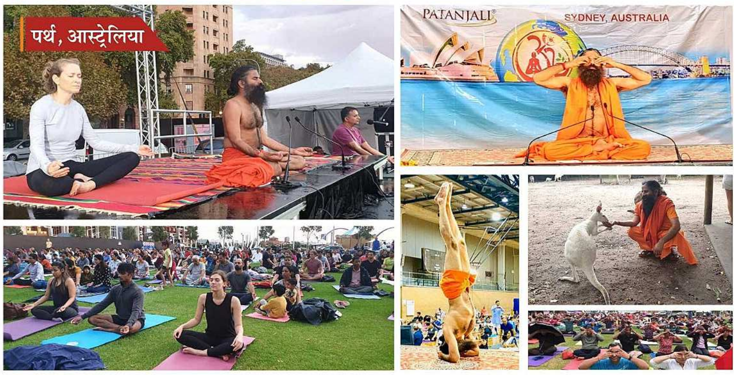

पर्थ, आस्ट्रेलिया

वैदिक संस्कृति केन्द्र आर्य समाज, ब्रिसबेन (आस्ट्रेलिया)

पर्थ, आस्ट्रेलिया में पारम्परिक स्वागत

पर्थ, आस्ट्रेलिया में योग शिविर

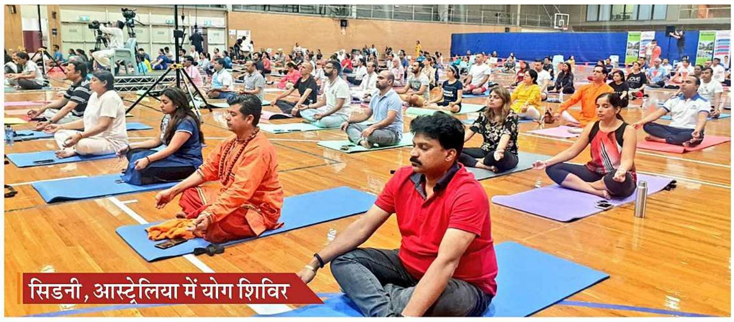

सिडनी, आस्ट्रेलिया में योग शिविर

www.bharatswabhimantrust.org

अमेरिका पढ़ता रहा भारत समेत तमाम देशों के गोपनीय संदेश।

खुलासा : कूट भाषा का उपकरण बेचने वाली कम्पनी से कर लिया था समझौता।

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया संस्था सीआइए ने एक स्विस कम्पनी, के जरिये भारत सहित दुनिया के तमाम देशों के गोपनीय संदेशों को दशकों तक पढ़ा और अमेरिका नीति तय करने में सहायता दी। स्विट्जरलैंड की इस कम्पनी पर दुनिया को बड़ा भरोसा था लेकिन वास्तव में इस कम्पनी में सीआइए की साझेदारी थी। यह जानकारी अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट और जर्मनी की सरकारी संवाद एजेंसी जेडडीएफ में प्रकाशित रिपोर्ट में सामने आई है। भारत सरकार ने इस रिपोर्ट पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। क्रिप्टो एजी नाम की स्विस कम्पनी से सन् १९५१ में सीआइए (सेंट्रल इंटेजीजेंस एजेंसी) का समझौता हुआ और यह १९७० के बाद तक चला। दोनों समाचार समूहों सीआइए की गोपनीय कार्रवाइयों पर आधारित खोजपूर्ण संयुक्त अभियान चला रहे हैं।

■ भारत सरकार ने फिलहाल इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।
■ इस कम्पनी में सीआइए की साझेदार थी।

इस अभियान में बताया जा रहा है कि किस तरह से अमेरिका और उसके सहयोगी देश दुनिया के देशों से धन लेते थे और उसकी सूचनाओं की चोरी कर उनका फायदा उठाते थे। क्रिप्टो एजी का गठन १९४० में संवाद और सूचनाओं की सुरक्षा के लिए एक स्वतंत्र संस्था के तौर पर हुआ था। लेकिन बाद में इसने अपनी भूमिका बदल ली।

रिपोर्ट के अनुसार कूट भाषा में होने वाले संवाद के लिए उपकरण बनाने वाली क्रिप्टो एजी ने सीआइए से हाथ मिलाकर अपने ग्राहक देशों के साथ विश्वासघात किया। करीब ५० साल तक दुनिया के तमाम देशों की सरकारें अपने जासूसों, सेनाओं और कूटनीतिकों से होने वाले संवाद के लिए क्रिप्टो एजी पर निर्भर थी और उस पर विश्वास करती थीं।

कम्पनी के ग्राहकों में लेटिन अमेरिकी देश, भारत, पाकिस्तान, ईरान और वेटिकन भी थे। इन सभी देशों को कभी शक भी नहीं हुआ कि उनके गोपनीय संदेशों को इस तरह से बीच से ही चुराया जा रहा है।-साभारः दैनिक जागरण*

विज्ञान व तकनीकी में भी स्वदेशी स्वावलम्बन आवश्यक है, नहीं तो राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह पायेगा। –सम्पादक

कार्यविस्तार बैठक : देश की सुदृढ आर्थिकी के लिए स्वदेशी अपनाना जरूरी : राकेश कुमार

पतंजलि योगपीठ के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी द्वारा योग साधकों को किया सम्मानित...

कोटद्वार (उत्तराखण्ड)। भारत स्वाभिमान न्यास पतंजलि परिवार की ओर से जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें योग साधकों ने योग को घर-घर तक पहुंचाने और स्वदेशी का प्रचार-प्रसार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर योग को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय कार्य के लिए पाँच लोगों और योग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ पतंजलि परिवार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार जी, प्रांत प्रभारी भास्कर जी, महिला राज्य प्रभारी बहन सीमा जी, प्रताप जी और रेणुका जी ने किया। इस अवसर पर मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार जी ने योग को जीवन की पहली प्राथमिकता बताया। कहा कि दैनिक जीवन में आसन, प्राणायाम, समाधि, ध्यान आदि का पालन करना आवश्यक है। योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर आत्मिक एवं शारीरिक रूप से स्वयं को स्वस्थ रखा जा सकता है। कहा कि देश को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए हमें स्वदेशी का प्रचार प्रसार करना है और स्वदेशी वस्तुओं को अधिक से अधिक प्रयोग करना है। देश की अखंडता के लिए आर्थिक रूप से हमें देश को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से योग के साथ स्वदेशी को अपनाने की अपील की। इस दौरान संस्था का सहयोग करने के लिए विजय, ऋषि, राकेश, रक्तदान के लिए दलजीत सिंह, योग प्रसार प्रचार के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए बहन रजनी जी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रभारी विजय, अमित, उषा, महिला प्रभारी आशा, शोभा, विजय, गोपाल, रश्मि, बीना, दिनेश, अरुणा, आनंद, उपस्थित थे। संचालन शशि जी और प्रांत प्रभारी भास्कर जी ने किया।

■ योग प्रतियोगिता के विजेताओं ने किया योग का प्रदर्शन।

योग प्राकृतिक चिकित्सा को आम आदमी से जोड़ने की योजनाएँ

भिवानी (हरियाणा)। भारत सरकार व हरियाणा सरकार आने वाले समय में योग प्राकृतिक चिकित्सा को आम आदमी से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं बना रही है। यह बात संयुक्त रूप से हरियाणा योग परिषद् के अध्यक्ष व इंटरनेशनल नैचुरोपैथी आर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जयबीर जी ने हरियाणा योग प्राकृतिक चिकित्सालय में आयोजित योग सेमिनार में कही। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर व चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। हरियाणा के योग प्राकृतिक चिकित्सों के साथ हरियाणा योग परिषद् के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य जी ने कहा कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा योग प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार प्रसार के लिए कर रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजक व इंटरनेशनल नैचुरोपेथी आर्गेनाईजेशन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मदन मानव जी ने कहा कि योगमय प्राकृतिक जीवन से प्रत्येक व्यक्ति आनन्दमय जीवन जी सकता है। इस अवसर पर हरियाणा योग परिषद् के रजिस्ट्रार डॉ. हरीशचंद्र प्रसाद, भारत स्वाभिमान हरियाणा के प्रभारी भाई ईश आर्य जी, कोषाध्यक्ष देवकीनन्द जी, डॉ. राजकुमार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

प्रतियोगिता: ट्राइसिटी में लगेगा रिसर्च पर आधारित योग शिविर

चंडीगढ़। इंडियन योग एसोसिएशन चंडीगढ़ चैप्टर की विशेष बैठक डॉ. जयदीप आर्य जी, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव इंडियन योगा एसोसिएशन की अध्यक्षता में यूटी चंडीगढ़ गेस्ट हाऊस में आयोजित हुई। बैठक में बताया कि मार्च माह के पहले हफ्ते में ट्राइसिटी में तीन स्थानों पर रिसर्च आधारित योग शिविर लगेंगे जिसमें हाई लिपिड प्रोफाइल वाले लोगों को शामिल किया जाएगा। इस रिसर्च कार्य को पीजीआई चंडीगढ़ के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा। लगभग तीन महीने चलने वाले योग शिविर में यह देखा जाएगा कि योग के द्वारा रोगियों के लिपिड प्रोफाइल में कितना परिवर्तन आया है इसके लिए समय-समय पर रोगियों के खून की जाँच की जाएगी।

आर्योद्देश्यरत्नमाला

११. **अपरलोक**- जो परलोक से उलटा है, जिसमें दुःख विशेष भोगना होता है, वह 'अपरलोक' कहाता है।
१२. **जन्म**- जिसमें किसी शरीर के साथ संयुक्त होके जीव कर्म करने में समर्थ होता है, उसको 'जन्म' कहते हैं।
१३. **मरण**- जिस शरीर को प्राप्त होकर जीव क्रिया करता है, उस शरीर और जीव का किसी काल में जो वियोग हो जाना है, उसको 'मरण' कहते हैं।
१४. **स्वर्ग**- जो विशेष सुख और सुख की सामग्री को जीव का प्राप्त होना है, वह 'स्वर्ग' कहलाता है।
१५. **नरक**- जो विशेष दुःख और दुःख की सामग्री को जीव का प्राप्त होना है, उसको 'नरक' कहते हैं।
१६. **विद्या**- जिससे ईश्वर से लेके पृथिवीपर्यन्त पदार्थों का सत्य विज्ञान होकर धन से यथायोग्य उपकार लेना का सत्य विज्ञान होकर धन से यथायोग्य उपकार लेना होता है, इसका नाम 'विद्या' है।
१७. **अविद्या**- जो विद्या से विपरीत है, भ्रम अन्धकार और अज्ञानरूप है, उसको 'अविद्या' कहते हैं।
१८. **सत्पुरुष**- जो सत्यप्रिय धर्मात्मा विद्वान् सब के हितकारी और महाशय होते हैं, वे 'सत्पुरुष' कहाते हैं।

॥ इदं राष्ट्राय इदन्न मम ॥

दिनांक 11 से 17 अप्रैल, 2020

युवा भारत विद्यार्थी संस्कार शिविर

वैदिक काल से लेकर आधुनिक भारत के स्वाधीनता आन्दोलनों एवं आधुनिक भारत के सृजन में सर्वाधिक योगदान युवाक्रांतिकारियों का रहा है। शहीदे आजम भगत सिंह, उधमसिंह, मदन लाल ढींगरा, चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, चैन्नमा जैसे क्रान्तिकारी युवाओं ने अपने साहस एवं शौर्य से क्रान्ति करते हुए स्वदेशी का स्वाभिमान रखते हुए, महान वैदिक सभ्यता की जन्मभूमि भारत को विदेशी गुलामी की दास्तां से आजाद करवाया।

विदेशी शासन से तो ७० साल पहले हमने मुक्ति पा ली थी। आज देश, राजनैतिक गुलामी से मुक्ति के बाद, अब विदेशी कम्पनियों की आर्थिक लूट व शैक्षणिक गुलामी के षड्यन्त्र से देश को मुक्ति दिलाने तथा आर्थिक स्वाधीनता व सांस्कृतिक आजादी हेतु छटपटाता सा महसूस कर रहा है। माँ भारती के गौरव पुत्र, तपोमूर्ति संन्यासी श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं आयुर्वेद शिरोमणी कर्मयोगी पूज्य आचार्य श्री ने निष्काम व निःस्वार्थ भाव से देश की सेवा का विराट संकल्प लिया है। योग से स्वस्थ भारत एवं स्वदेशी से समृद्ध भारत के निर्माण हेतु इस दिव्य अभियान का हिस्सा बनने के लिए सब देशभक्त, जागरूक व स्वाभिमानी युवा भाई-बहनों को, प्रेरित करना चाहिये, आज इस विश्व में सर्वाधिक युवा शक्ति सम्पन्न देश भारत है। इस युवा शक्ति को आध्यात्मिक, साहसी, कर्मयोगी बनाने की आवश्यकता है। आज भारत में ६५ प्रतिशत जनसंख्या युवा भाई-बहनों की है। एक सबल एवं सांस्कृतिक "दिव्य भारत-भव्य भारत" के स्वप्न को पूर्ण करने के लिए राष्ट्रचेतना से ओतप्रोत युवा भाई-बहनों के निर्माण, प्रशिक्षण एवं उन्हें योगव्रती, गोव्रती एवं स्वदेशीव्रती बनाने के उद्देश्य से ७ दिवसीय "युवा भारत विद्यार्थी संस्कार शिविर" का आयोजन पतंजलि योगपीठ-द्वितीय चरण, हरिद्वार में किया जा रहा है। चयन करते हुये केवल स्वस्थ समर्पित युवाओं को तप, त्यागमय जीवनयापन करने एवं आश्रम में पूर्व अनुशासन से रहने का निर्देश देकर भेंजे।

सात दिवसीय युवा संस्कार शिविर की तिथियाँ- दिनांक : ११ (शनिवार) से १७ अप्रैल (शुक्रवार) २०२० तक।

आगमन : १० अप्रैल (शुक्रवार), २०२० सायं ०७ बजे तक। **प्रस्थान :** १८ अप्रैल, (शनिवार), २०२० को प्रातः ६.०० बजे से।

शैक्षणिक योगयता : १२वीं, स्नातक, परास्नातक (जिन्होंने पढ़ाई पुरी कर ली हैं)।

आयु : १८ से २५ वर्ष अधिकतम अविवाहित (इस वर्ष १०वीं परीक्षा में शामिल प्रतिभागी भी शिविर में आ सकते हैं अपने साथ परीक्षा प्रवेश-पत्र (एडमिट कार्ड) अवश्य लायें)।

प्रतिभागी चयन का दायित्व : सभी संगठन के राज्य/जिला/तहसील कार्यकारिणी के पदाधिकारी उसमें विशेष रूप से युवा भारत के प्रभारी गण इस कार्य को निष्पादन करने के लिए आस-पास के उच्च विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालयों तथा सभी योग कक्षा, ग्राम/प्रखण्ड में प्रवास, सम्पर्क व संवाद करें तथा उन्हें पतंजलि योगपीठ की सेवाओं, योजनाओं, प्रकल्पों (वैदिक गुरुकुलम्/वैदिक कन्या गुरुकुलम्) व हरिद्वार प्रशिक्षण की उपयोगिता के वर्तमान और भविष्य के बारे में बतातें हुये युवा संस्कार शिविर में आने के लिए प्रेरित व चयनित करें।

कहाँ से चयन करें : प्रत्येक जिला से १५ भाई-बहनों का चयन इस प्रकार करें कि जिलें के प्रत्येक तहसील से दो भाई/बहन का चयन अवश्य हो पाये अर्थात् अनुमान्तः ६ से ९ तक तहसील हर जिला में है, प्रत्येक जिलें से १५ युवा भाई-बहन आमंत्रित हैं। १५ से ज्यादा प्रतिभागी होने पर सबसे ज्यादा श्रद्धालु समर्पित, सक्रिय, शारीरिक-बौद्धिक दृष्टि से समर्थ प्रतिभागी को प्राथमिकता देवें।

शिविर पूर्व प्रशिक्षण एवं अनुशासन : युवा भाई-बहनों को मुख्यालय शिविर से पहले जिला या तहसील स्तर पर व्यवस्थित योग कक्षा में बुलाकर ३ दिन का प्रशिक्षण, योग का प्रारम्भिक पैकेज/संगठन/संस्थान/अनुशासन/मर्यादा/शविर की दिनचर्या आदि की प्रारम्भिक जानकारी व प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से देकर ही भेजें।

विशेष : जो युवा भाई-बहन पहले कभी हरिद्वार शिविर में नहीं आयें हैं ऐसे नये युवा भाई-बहनों का ही चयन करें शिविर में केवल युवा प्रतिभागी ही आमंत्रित हैं।

खर्च : जो युवा 'दिव्य भारत' के निर्माण में अपनी आहूति अर्पित करना चाहते हैं उन्हें प्राथमिकता के साथ अवश्य भेजें। जो प्रतिभागी आर्थिक दृष्टि से सक्षम नहीं हैं पर पूज्य श्री के सान्निध्य में रहकर सेवा देने की उत्कृष्ट इच्छा है उन्हें जिला के कोई दानी सज्जन के सौजन्य से यात्रा-व्यय आदि की सुविधा उपलब्ध करा देवें।

यात्रा आरक्षण : हरिद्वार शिविर हेतु ट्रेन में सीट आरक्षण समय से करा लेवें यदि आरक्षण नहीं मिल पाता है तब भी जिले के युवा-प्रभारी विद्यार्थियों को अपने साथ जनरल डिब्बे में भी लेकर अवश्य आयें। परम श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने भी लगभग १० वर्षों तक ट्रेन में बिना आरक्षित सीट के ही यात्रा कर राष्ट्र सेवा व मानव सेवा का कार्य किया है।

राज्य प्रतिनिधि : राज्य कार्यकारिणी के एक भाई या बहन राज्य प्रतिनिधि के रूप में शिविर में आयें जो अपने राज्य से आये शिविरार्थी भाई-बहनों की देखरेख एवं शिविर व्यवस्था में सहयोग कर सकें।

सावधनियाँ : प्रतिभागी भाई-बहन अपने साथ कोई कीमती सामान न लायें, अपने साथ एक ऐसा बैग लायें जिसमें छोटा ताला लगा सकें। अपने समान की देख-रेख स्वयं करें संस्था उत्तरदायी नहीं रहेगी। अपने साथ एक चद्दर अवश्य लायें।

आवास व्यवस्था: युवा भाईयों की आवास व्यवस्था, सामूहिक रूप से हॉल में रहेगी एवं बहनों का आवास कक्ष में रहेगी।

साथ लायें : क. प्रतिभागी अपने साथ आधर कार्ड (१ सेट पफोटो कॉपी)।, ख. ५ पासपोर्ट साईज फोटो।, ग. शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की फोटो कॉपी।, घ. असम प्रांत के प्रतिभागी अपना वोटर कार्ड लाये (१ सेट फोटो कॉपी)। ड़. बच्चें अथवा बीमार को साथ नहीं लायें।

(साध्वी देवप्रिया)	(राकेश कुमार)	(डॉ. जयदीप आर्य)
महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी	मुख्य केन्द्रीय प्रभारी	मुख्य केन्द्रीय प्रभारी
महिला पतंजलि योग समिति	**भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति**	**भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति**

स्वस्थ, सुखी व शान्तिमय जीवन के लिए योग सीखिए, रोज सुबह 5:00 से 8:00 बजे आस्था पर

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य झलकियाँ

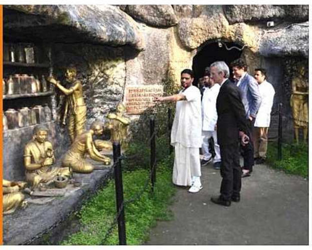

पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज द्वारा फ्रांस के राजदूत श्री इमैनुआन जी को पतंजलि द्वारा चल रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों से अवगत करवाया।

सिडनी, ब्रिसबेन, पर्थ (आस्ट्रेलिया) में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा योग एवं ध्यान शिविर।

योग, आयुर्वेद के विस्तार हेतु श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, पूज्य गुरु जग्गी वासुदेव जी, डॉ. एच.आर.नागेन्द्र जी, पू.स्वामी चिदानन्द मुनी जी एवं पदाधिकारियों द्वारा बैठक।

योग, आयुर्वेद के विस्तार हेतु श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, पूज्य गुरु जग्गी वासुदेव जी, डॉ. एच.आर.नागेन्द्र जी, पू.स्वामी चिदानन्द मुनी जी एवं पदाधिकारियों द्वारा बैठक।

नेपाल पतंजलि योगपीठ में पूज्य आचार्य श्री द्वारा कार्यकर्ता बैठक।

नई दिल्ली में पूज्य आचार्य श्री द्वारा श्री विवेक बिंद्रा जी द्वारा आयोजित कार्यक्रम Bada Business में सफलता के मंत्र।

पतंजलि में ग्रीन रिवोल्यूशन-2022 'एन एग्री विजन' के शुभारम्भ में पूज्य आचार्य श्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत जी (मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड), श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी (कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार), श्री अरविन्द पांडेय जी, श्री मदन कौशिक (राज्य मंत्री), श्री धनसिंह रावत जी, विधायक श्री आदेश चौहान, श्री प्रदीप बत्रा जी, श्री संजय गुप्ता जी एवं श्री देशराज कर्णवाल जी उपस्थित।

नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कॉम्प्लेक्स में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR) और पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच MOU.

पुदुचेरी में योग, आयुर्वेद के विस्तार हेतु श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा पुदुचेरी महामहिम उपराज्यपाल श्रीमती किरन बेदी जी।

अमाया ग्रुप के साथ पतंजलि के मेगा स्टोर का दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, पूज्य आचार्य श्री एवं श्री अनुराग ठाकुर जी, सांसद द्वारा शुभारम्भ।

होस्पेट, कम्पला (कर्नाटक) में योग आयुर्वेद एवं स्वदेशी एवं गौ संवर्धन हेतु निःशुल्क योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर।

काम्पली (कर्नाटक) में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज का अभिनन्दन।

पुदुचेरी योग शिविर में पूज्या साध्वी देवप्रिया जी, डॉ. जयदीप आर्य जी, भाई राकेश कुमार जी।

कोटद्वार (उत्तराखण्ड) में योग, आयुर्वेद एवं संगठन विस्तार हेतु भाई राकेश कुमार जी द्वारा कार्यकर्ता बैठक।

तमिलनाडु, योग, आयुर्वेद के विस्तार हेतु श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, गुरु जग्गी वासुदेव जी, डॉ. एच.आर.नागेन्द्र जी, डॉ. जयदीप आर्य जी।

दिल्ली आयुष मंत्रालय में डॉ. राकेश कोटेचा जी, डॉ. जयदीप आर्य जी एवं पदाधिकारियों द्वारा बैठक।

दिल्ली में योग, आयुर्वेद एवं संगठन विस्तार हेतु डॉ. जयदीप आर्य जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी) द्वारा कार्यकर्ता बैठक।

दिल्ली भारतीय छात्र संसद में डॉ. जयदीप आर्य जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी) एवं डॉ. परमींद्रा गुलिया एवं कार्यकर्तागण।

स्वामी, सम्पादक, प्रकाशन व मुद्रक राकेश द्वारा ऋषि ऑफसेट प्रिन्टर्स, वेद मंदिर, अशोक टॉकीज के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 (उत्तराखंड) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा 'राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता' की झलकियाँ

असम :

हरियाणा :

हिमाचल प्रदेश :

जम्मू कश्मीर :

झारखण्ड :

पंजाब :

उत्तराखण्ड :

त्रिपुरा :

कोलकाता :

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा 'राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता' की झलकियाँ

आन्ध्र प्रदेश :

चण्डीगढ़ :

छतीसगढ़ :

गोवा :

ओडिशा :

तमिलनाडू :

मणिपुर :

तेलंगाना :

राजस्थान- पूर्व :

राजस्थान- पश्चिम :

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा 'राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता' की झलकियाँ

बिहार- दक्षिणः

बिहार- उत्तर :

पं.बंगाल :

उत्तर प्रदेश- पूर्व :

उत्तर प्रदेश- मध्यः

उत्तर प्रदेश- पश्चिम :

मध्य प्रदेश- पश्चिम :

मध्य प्रदेश- पूर्व :

मुम्बई :

महाराष्ट्र-पूर्व :

केरल :